

एग्जिट पोल: हरियाणा में एक दशक बाद कांग्रेस सत्ता में आयेगी

जम्मू-कश्मीर में एग्जिट पोल के बाद अनिश्चय की स्थिति नज़र आ रही है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। एग्जिट पोल के अनुसार हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस हरियाणा में जोरदार वापसी कर रही है। एग्जिट पोल के अनुसार हरियाणा में 55-62 सीटों पर कांग्रेस जीत रही है, वहीं जम्मू-कश्मीर में राजनैतिक अनिश्चितता है, जहाँ भाजपा निर्दलियों व छोटे दलों के सहयोग से सरकार बनाने में एडी-चौटी का जोर लगा देगी। सत्तारूढ़ भाजपा को हरियाणा में तीसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद थी, पर सर्वे के अनुसार 20-32 सीटों पर सिमटती नज़र आ रही है। हरियाणा में शाम 5 बजे तक 61 प्रतिशत मतदान हो चुका था। एग्जिट पोल में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत दिया जा रहा है। रिपब्लिक टी.वी.-पी.मार्क एग्जिट पोल में कांग्रेस को 55 से 62, भाजपा को 18-24 सीटें दी गई हैं। इसमें जे.जे.पी. को 0-3, आई.एन.एल.डी. को 3-6 सीटें दी गई हैं, वहीं आप का तो ख़ाता भी खुलता नहीं दिख रहा है।

■ नैशनल कॉन्फ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में 43 सीटें मिलने की आशा है। एग्जिट पोल के अनुसार। भाजपा की लगभग 27 सीटों पर जीतने की संभावना है तथा पी.डी.पी. आठ सीटों पर सिमट सकती है। पर, छोटी-छोटी क्षेत्रीय पार्टियां 18 सीटों पर जीत सकती हैं।

■ जम्मू में 41 प्रतिशत वोट पाकर भाजपा 27 से 31 सीटों पर जीत सकती है तथा नैशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन दूसरे स्थान पर रह सकता है, 37 प्रतिशत मत प्राप्त करके। यानि, 11-15 सीटों पर गठबंधन विजयी हो सकता है तथा पी.डी.पी. 4 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करके, अधिकतम दो सीटों पर जीत सकती है।

■ भाजपा, निर्दलीय व छोटी-छोटी क्षेत्रीय पार्टियों के विधायकों को साथ लेकर, जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने की पूरी कोशिश कर सकती है।

हरियाणा विधानसभा में 90 सीटें हैं, बहुमत के लिए 46 सीटें चाहिए, अधिकांश एग्जिट पोल कांग्रेस को 44 से 61 सीटें दे रहे हैं। कुछ कांग्रेसी नेताओं ने तो मंत्रिमंडल बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है, इस पर हड़्डा ने कहा,

ये काल्पनिक सवाल है। आलाकमान तय करेंगे। कुमार सैलजा और रणदीप सुरजेवाला जैसे नेता मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जता चुके हैं। जब हड़्डा से पूछा गया कि क्या सैलजा मुख्यमंत्री बनेगी। हड़्डा ने कहा, ये लोकतंत्र है, कोई

भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जता सकता है। आप भी यह इच्छा जता सकते हैं। पर, मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह विधायक तय करेंगे और आलाकमान तय करेंगे।

हड़्डा ने 27 सितम्बर को एक रैली में कहा था, कांग्रेस को हरियाणा में विशाल जनादेश मिलेगा। उन्होंने पार्टी में अन्तर्कलह की बात खारिज कर दी और कहा कि मुख्यमंत्री पद के ज्यदा दावेदार होंगे तो पार्टी को मजबूती मिलेगी।

हड़्डा के इस दावे के बावजूद भी कांग्रेस आलाकमान के लिए हरियाणा में जाट नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाना काफी कठिन होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी तीनों को अपनी सारी क्षमता दिखानी होगी, राज्य के तीनों नेताओं के बीच बैलेंस बनाने में।

यद्यपि हरियाणा में शानदार जीत मिलने से पूरे देश में कांग्रेस के प्रति सकारात्मक संदेश जाएगा और शरद्वंड, महाराष्ट्र व दिल्ली के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा जहाँ विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री ने बंजारा विरासत म्यूज़ियम का उद्घाटन किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम कस्बे में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र से संबंधित विभिन्न योजनाएं लॉन्च कीं इनमें करीब 23,300 करोड़ रूपए की लागत आयेगी।

■ महाराष्ट्र के वाशिम में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के सामाजिक जीवन में बंजारा समुदाय का भारी योगदान है।

उन्होंने "नमो शेतकारी महासम्मन निधि योजना" को 20,000 करोड़ रूपए की पाँचवीं किस्त जारी की, तथा "एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड" (ए.आई.एफ.) के तहत 1920 करोड़ रूपए से ज्यदा लागत के 7,500 प्रोजेक्ट राढ़ को समर्पित किये। इसके अलावा, उन्होंने करीब 1300 करोड़ रूपए के कुल टर्न ओवर वाले 9,200 "फार्म प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशंस" (एफ.पी.ओ.) भी राढ़ को समर्पित किये। मोदी ने "मध्यमती सौर कृषि वाहिनी योजना-2.0 के तहत, पूरे महाराष्ट्र में 19 मैगावाट की कुल क्षमता के 5 सोलर पार्क भी राढ़ को समर्पित किये। प्रधानमंत्री ने "बंजारा विरासत (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जद (यू) ने नीतीश कुमार के लिए भारत रत्न मांगा

सवाल यह है कि क्या जद (यू) बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व नीतीश को सक्रिय राजनीति से बाहर करना चाहता है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। नीतीश कुमार को "भारत रत्न" दिये जाने की माँग कर के, क्या जद (यू) उन्हें अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले ही सक्रिय राजनीति से सम्मान विदा करना चाह रहा है?

शनिवार को, जब जद (यू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग चल रही थी, नीतीश कुमार को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिये जाने की माँग करने वाले पोस्टर बौरचन्द पटेल मार्ग, स्थित पार्टी कार्यालय के नजदीक तथा राज्य की राजधानी के अन्य कई प्रमुख स्थानों पर लगे हुये थे। ये पोस्टर पार्टी विधायक छोटू सिंह द्वारा प्रायोजित थे। इससे पहले भी, "भारत रत्न" बहुत से राजनेताओं को मिल चुका है, लेकिन यह अवार्ड अधिकांशतः मरणोपरान्त या फिर उस समय दिया गया, जब वे सक्रिय राजनीति को अलविदा कह देते थे। चरणसिंह, पी.वी. नरसिम्हा राव, कर्पूरी ठाकुर, मदन मोहन मालवीय जैसी सभी महान हस्तियों को यह मरणोपरान्त दिया गया है। जीवित राजनेताओं में, लाल कृष्ण आडवाणी देश के इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान को पाने वाले असाधारण श्रेणी

■ पटना में जद (यू) के मुख्यालय और अन्य जगहों के आस-पास ऐसे कई पोस्टर लगे हैं, जिनमें नीतीश को भारत रत्न देने की माँग की गई है।

■ अब तक कई नेताओं को भारत रत्न मिला है, अधिकांश को मरणोपरान्त ही यह सम्मान मिला है। जिन्हें जीवित रहते यह भारत रत्न मिला है, उन्हें राजनीति से रिटायर कर दिया गया।

के राजनेता रहे हैं। सुविदित है कि आडवाणी 2014 से भाजपा के "मार्गदर्शक मंडल" में हैं।

इसलिये, प्रश्न यह है कि इस समय नीतीश कुमार के लिए "भारत रत्न" की माँग करके, जद (यू) आखिर क्या हासिल करना चाहता है? नीतीश कुमार के प्रासंगिक बने रहने तथा जीवन्तता का अहसास कराते रहने का कौशल एवं क्षमता अद्वितीय माने जाते हैं। नीतीश कुमार 2005 से लगातार बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं, सिवाय एक साल के, जब जितनराम मोदी मुख्यमंत्री बने थे। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, बिहार में एन.डी.ए. गठबंधन के असंदिग्ध नेता की स्थिति को बनाये रखने के लिये जरूरी कदम उठाते आ रहे हैं, लेकिन "भारत रत्न" के माँग ने

इस प्रकार की संभावनाओं पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बिहार के राजनैतिक परिदृश्य की जटिलताएं, खासतौर से "लालू-नीतीश" के 30 वर्षों के कुशासन" के खिलाफ प्रशांत किशोर के आक्रामक प्रचार अभियान के जोर पकड़ने से और भी ज्यदा जटिल होती जा रही है। इस स्थिति को लेकर राज्य भाजपा की अधीरता बढ़ती जा रही है कि भगवा पार्टी कुमार के बोझ को लगातार ढोये जा रही है तथा राज्य भाजपा की यह मनःस्थिति कुमार के लिये घबराहट का कारण बन रही है। पिछले दिनों में, ऐसे अनेक अवसर सामने आये हैं, जब जद (यू) और भाजपा नेताओं का विवाद सार्वजनिक हुआ है। शुक्रवार को इसी प्रकार की एक मीटिंग में, जब एक जद (यू) नेता ने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निलम्बित मेयर को अभिरक्षा में ए.सी.बी. कोर्ट ने जमानत दी

सह आरोपियों को हाई कोर्ट से जमानत मिलने के कारण मुनेश गुर्जर को जमानत दी गई

जयपुर, 5 अक्टूबर। नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में रिश्तत लेने से जुड़े मामले में हेरिटेज नगर निगम की निलम्बित मेयर मुनेश गुर्जर ने शनिवार को ए.सी.बी. मामले की विशेष अदालत क्रम-1 में समर्पण किया, जहाँ अदालत ने उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में लिया, हालांकि बाद में अदालत ने उसकी जमानत अर्जों को स्वीकार कर 25 हजार रूपए की दो जमानत व स्वयं के 50 हजार रूपए के मुचलके पर उन्हें रिहा करने के आदेश दिए। अदालत ने मामले के सह आरोपियों की जमानत हाईकोर्ट पूर्व में स्वीकार कर चुका है। मुनेश पर लगाए गए आरोप इन आरोपियों से अलग नहीं है। इसके अलावा जांच एजेंसी की ओर से ऐसा कोई शक्य अदालत में पेश नहीं किया गया है, जिससे यह माना जा सके कि वे जमानत लेने के बाद गवाहों को प्रभावित

■ अभी तक कोर्ट में पेश नहीं हुई पूर्व मेयर ने शनिवार के विशेष अदालत-1 में समर्पण किया। अदालत ने उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में लिया तथा बाद में उनकी जमानत की अर्जा स्वीकार की।

■ शिकायतकर्ता के वकील ने कहा, ए.सी.बी. को निलम्बित मेयर के घर से 6 पत्रावलिआं और 41 लाख रूपये बरामद हुए थे। उनके कार्यकाल में 7,500 पट्टे जारी किये गये।

करेंगी या ट्रायल में बाधा डालेंगी। इसके अलावा, प्रकरण में चालान पेश किया जा चुका है, इसलिए आरोपी की जमानत अर्जा स्वीकार की जाती है। जमानत अर्जा में अधिवक्ता दीपक चौहान ने अदालत को बताया कि मामले में जांच पूरी होकर आरोप पत्र पेश हो चुका है। ए.सी.बी. ने मुनेश को अभिरक्षा में लेकर अनुसंधान करने की

जरूरत नहीं समझी और ना ही उसे अभिरक्षा में लिया गया। उसके खिलाफ आरोप पत्र पेश होने की सूचना पर वह वकील के जरिए पेश हो गई थी। इसके अलावा, प्रकरण के परिवादी सुभांशु सिंह का कोई काम निगम में लिंबित नहीं था और जिन लोगों के पट्टे लिंबित थे, उनकी ओर से ए.सी.बी. में शिकायत (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छत्रपति शिवाजी की मूर्ति का अनावरण किया राहुल ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया और कसम खाई कि वे शिवाजी महाराज के आदर्शों के लिए

■ कोल्हापुर में हुए इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि वे छत्रपति के आदर्शों के लिए संघर्ष करेंगे।

लड़ते रहेंगे। ताकि देश में सभी आगे बढ़ें किसी के साथ भी अन्याय ना हो।

उन्होंने कहा भारत में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक वो जो संविधान व समानता के लिए है, दूसरी वह जो संविधान को खत्म करना चाहती है।

राहुल ने कहा, यह राजनैतिक लड़ाई नहीं है बल्कि विचारधारा की लड़ाई है जो शिवाजी महाराज के समय से चल रही है।

पैथर ने बाइक सवार दूध वाले को शिकार बनाने की कोशिश की

सर्च टीम ने रणनीति बदली, अब बिना शोर किये पैथर की तलाश की जा रही है

उदयपुर, 5 अक्टूबर (कांस)। उदयपुर में आदमखोर घोषित पैथर को पकड़ने के अब तक के सभी प्रयास नाकाम रहे हैं। पैथर जंगल और पहाड़ों पर सर्च टीम को भी चकमा दे रहा है। शुक्रवार रात को एक बार फिर आदमखोर ने दो हमले किए। सड़क किनारे छुपे पैथर ने एक बाइक सवार का 200 मीटर तक पीछा किया, युवक ने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई। पैथर एक घर में भी घुस गया, यहां उसने गायों पर हमला किया। दोनों हमले सायरा वन रेंज के पास ढोल गांव में हुए। शुक्रवार रात को अंधेरे में पैथर बाइक सवार दूध वाले पर लपका और 200 मीटर के आसपास उसका पीछा भी किया। दूधवाला बाइक को भगा ले गया और उसकी जान बच गई। बताया जा रहा है कि पैथर अब उस इलाके से 25 किलोमीटर दूर की रेंज में आ गया है, जहां पर उसे तलाश जा रहा है। सर्च

■ मोटर साइकिल दूध सवार दूध वाले, कालू सिंह और एक घर में घुस कर गायों पर हमला, पैथर की ये दोनों घटनायें सायरा वन रेंज के पास ढोल गाँव की हैं।

■ गोगुंदा रेंज में पैथर के हमले कम नहीं हो रहे हैं। रोज पैथर सर्च टीम को चकमा देकर भागने में कामयाब हो रहा है।

टीम उसे लगातार तलाश कर रही है मगर गोगुंदा रेंज में पैथर के हमले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। गोगुंदा और बडगांव ब्लॉक के आस पास के जंगलों में एमरजेंसी रैस्पॉन्स टीम के नेतृत्व में वन विभाग की पूरी टीम उसकी तलाश कर रही है। पैथर यहां से आगे निकल गया है और शुक्रवार को गोगुंदा ब्लॉक की सायरा वन रेंज के ढोल गांव में शिकार की तलाश में दिखाई दिया। इस घटना से वन विभाग की पूरी टीम की दिक्कतें और अधिक बढ़ गई हैं।

सरदारपुरा गांव के रहने वाले कालू सिंह ने मीडिया को बताया कि वह रोज शाम को बाइक पर दूध की सप्लाई करने जाता है। शुक्रवार शाम को साढ़े सात बजे के आस पास वह ढोल गांव में सरकारी स्कूल से करीब एक किलोमीटर आगे निकला और कमील रोड पर आया। यहां पर सड़क के पास दुबक कर बैठे पैथर ने उस पर अचानक हमला कर दिया। बाइक की लाइट पड़ते ही पैथर धड़-धड़ उधर हुआ। लेकिन फिर तुरंत नजदीक आ गया। पैथर को देखकर वह डर तो

गया मगर तुरंत मोटर साइकिल को तेज गति से चलाते हुए शोर मचाकर वहां से निकल गया। पैथर ने कुछ दूरी तक बाइक का पीछा किया। उसमें गांव में पहुंच कर लोगों को यह बात बताई तो लोग सतर्क हो गए व लठ लेकर गश्त आरंभ कर दी।

इसी प्रकार ढोल गांव में ही बस स्टैंड के पास शुक्रवार रात करीब ढाई बजे पैथर गांव में घुस गया। यहां उसने ग्रामीण पत्ता गिरी के बाड़े में बंधी गायों पर हमला कर दिया। गायों की आवाज से परिवार के सदस्य जाग गए और बाड़े की तरफ लाटियां लेकर दौड़े। इसके बाद पैथर वहां से भाग गया।

अब पैथर को काबू करने की रणनीति बदली गई है। शूटर और पुलिसकर्मी चुपचाप शिकारी की तरह जंगल में पोजिशन लेकर पैथर का इंतजार कर रहे हैं। पानी और शिकार (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'20 दिन में दो लाख महिलाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लाम्बा ने शनिवार को बताया कि 15 सितम्बर के बाद से 20 दिन में

■ महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लाम्बा ने यह जानकारी दी और दावा किया कि हरियाणा में महिलाओं ने ऑनलाइन कांग्रेस की सदस्यता ली और पार्टी को वोट दिया है।

लगभग दो लाख महिलाओं ने कांग्रेस जॉइन की है।

उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है जिसने संविधान को बचाने का निर्णय किया है। उनकी पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। लाम्बा ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यह भांपते हुए कि स्थिति कुछ ठीक नहीं है, भाजपा ने मोदी की छवि व लोकप्रियता को आधार नहीं बनाया था चुनाव में

बहुत सोच-समझकर चुनाव अभियान के मध्य में ही भाजपा ने चुनावी रणनीति बदली, अब चुनाव अभियान का फोकस प्र.मंत्री मोदी पर नहीं था, विशेषकर हरियाणा में तथा फोकस रोजगार आदि मुद्दों पर था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। शनिवार शाम को हरियाणा में विधानसभा चुनाव खत्म हुए। नब्बे सीटों के लिए हुए इस चुनाव में एग्जिट पोल ने कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत दिया है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में हुए चुनावों में कांग्रेस-नैशनल कॉन्फ्रेंस को पहली भविष्यवाणी में बढ़त की बात कही गई है।

एक्सिस माय-इण्डिया, सी-वोट, नीलसन एण्ड चाणक्य- आदि, या तो स्वतंत्र रूप से या न्यूज चैनलों के साथ शाम 6:30 बजे बाद हरियाणा व जम्मू-कश्मीर चुनावों के अपने एग्जिट पोल नम्बर लाइव स्ट्रीम करेंगे। वास्तविक मतगणना तो 8 अक्टूबर को होगी, लेकिन, आज की भविष्यवाणियां इन चुनावों के निष्कर्ष के लिए मंच तैयार करेंगी। चुनाव आयोग अब महाराष्ट्र व झारखण्ड में

विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रहा है, जिनकी तारीख अगले सप्ताह घोषित हो सकती है।

जम्मू और कश्मीर में कई कारणों से ये विधानसभा चुनाव ऐतिहासिक हैं। सन् 2019 में धारा 370 रद्द करने के बाद होने वाले ये पहले विधानसभा चुनाव हैं, तथा तत्करीबन 70 दशकों में पहली बार कई समुदायों, जैसे पाकिस्तानी रिफ्यूजी, वाल्मीकी एवं गुरावा, को मतदान का अधिकार दिया गया है। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में हुए मतदान के तीसरे चरण में 69.65 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया।

जम्मू-कश्मीर चुनावों के परिणाम इस केन्द्र शासित प्रदेश की राजनीतिक दिशा तय करेंगे। एग्जिट पोल के परिणाम इस बात का संकेत देंगे कि क्या उन समुदायों ने परंपरागत वोटिंग पैटर्न को बदला है, जिन्हें हाल ही में मतदान का अधिकार मिला है। या फिर, वर्तमान शक्ति संरचना वैसी की वैसी बनी रहेगी।

■ कांग्रेस, हालांकि जीतती नज़र आ रही है हरियाणा में पर देखना है कि बड़े नेताओं, भूपेन्द्र हड़्डा, सैलजा व रणदीप सुरजेवाला की मु.मंत्री बनने की लालसा के बीच कैसे संतुलन बिठाती है।

■ जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 के हटने के बाद यह पहला चुनाव है तथा पहली बार कई समूहों को, जैसे वैस्ट पाकिस्तान के शरणार्थी, वाल्मीकि व गुरखा को मतदान का अधिकार मिला है। अतः चुनाव परिणामों से ज्ञात होगा कि इन नए "एम्पावर्ड" समुदायों से जम्मू-कश्मीर के परम्परागत चिर-परिचित मतदाताओं के "वोटिंग पैटर्न" में कुछ और कितना परिवर्तन हुआ है, जिससे सत्ता के ढांचे में भी बदलाव आया है।

पूर्व के विधानसभा चुनावों में, अधिकतर एग्जिट पोल ने भाजपा के लिए/निर्णायक जीत की भविष्यवाणी की थी। इण्डिया टुडे ने कहा था कि भाजपा को 38, कांग्रेस को 36 तथा अन्य पार्टियों को 8 सीटें मिलेंगी। इसी प्रकार

ए.बी.पी.-सी वोटर ने भाजपा के लिए 72 सीटें तथा कांग्रेस के लिए 8, सीटों की भविष्यवाणी की थी। जबकि, न्यूज 18- आई.पी.एस.ओ.एस का आकलन था कि भाजपा को 75 और कांग्रेस को 10 सीटें मिलेंगी। तथापि,

हरियाणा में भाजपा को समर्थन दिया था, इस बार अपना आधार खो रही हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने, यह महसूस करते हुए कि हरियाणा के मतदाताओं के लिए आजीविका के मुद्दे अधिक मायने रखेंगे, चुनाव से पहले ही प्रचार अभियान के दौरान अपना रणनीति में परिवर्तन कर लिया था। पार्टी ने, पिछले दशक की राज्य सरकार की उपलब्धियों पर फोकस किया, बजाय प्रधानमंत्री मोदी की छवि तथा लोकप्रियता पर निर्भर रहने के। एक दशक में पहली बार ऐसा हुआ कि भाजपा के चुनाव अभियान में सिर्फ मोदी ही छाप हुए नहीं थे। शनिवार को एक चरण में हुए मतदान के बाद कांग्रेस अपनी जीत को लेकर आश्वस्त लग रही है और वरिष्ठ नेता, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा तथा कुमारी सैलजा मुख्यमंत्री पद की दौड़ में आगे लग रहे हैं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घोड़े पर मतदान करने पहुंचे नवीन ज़िन्दल

चंडीगढ़, 05 अक्टूबर। हरियाणा में कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद नवीन ज़िन्दल घोड़े पर बैठकर मतदान करने पहुंचे।

■ नवीन ज़िन्दल कुरुक्षेत्र से भाजपा के सांसद हैं। उनकी माँ सावित्री ज़िन्दल भाजपा का टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं।

सफेद कुर्ते पाजामे पर नीली जैकेट पहने ज़िन्दल ने मतदान की अपनी तस्वीरें साझा करते हुये सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करते हुये मतदान किया, ताकि हमारा लोकतंत्र और मजबूत हो। आप सभी से आग्रह है कि जायें, वोट दें और सही चुनाव करें। यह निश्चित है कि हरियाणा में भाजपा ही सरकार बनायेगी, इसलिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, क्योंकि आपका प्रत्येक मत महत्वपूर्ण है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)